

प्रेषक,

आर०के० सुधांशु,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
चिकित्सा शिक्षा विभाग,
चन्दर नगर, देहरादून।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 30 मार्च, 2015

विषय:- वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष मानक मद '42-अन्य व्यय' में प्राविधानित बजट की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1055/XXVII (1)/2014 दिनांक 30 दिसम्बर, 2014 में उल्लिखित निर्देशों तथा आपके पत्र संख्या-26प/चि०शि०/130/2014-15/2013/6807 दिनांक 02 दिसम्बर, 2014 एवं पत्र संख्या 26प/बजट/130/2014-15/2013/1457 दिनांक 17 मार्च, 2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है वीर चन्द्र सिंह गढवाली आर्युविज्ञान शोध संस्थान श्रीनगर गढवाल हेतु नवीनतम प्रकाशित जनर्लस तथा नवीनतम पुस्तकों का क्रय करने हेतु मानक मद '42-अन्य व्यय' में ₹0 1,50,00,000/- लाख (₹0 एक करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि व्यय करने हेतु आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबंधों/शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- i. पुस्तकों के क्रय हेतु सक्षम स्तर से प्रक्रिया निर्धारित करा ली जायेगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्ही जनर्लस/पुस्तकों का क्रय हो जो मेडिकल कालेज के लिये आवश्यक हो साथ ही इस सम्बन्ध में प्रकाशकों से प्रचलित व्यवस्थानुसार अधिकतम छूट प्राप्त किया जाना भी सुनिश्चित किया जाये।
- ii. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण वास्तविक आवश्यकतानुसार ही किया जाय तथा धनराशि का आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किश्तों में वास्तविक आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न ही अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा।
- iii. बजट प्राविधान किसी भी लेखाशीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्ययभार/दायित्व सृजित किया जाय।
- iv. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय। निर्माण कार्यों पर अनुमोदित लागत से अधिक व्यय कदापि न किया जाय और न ही अनुमोदित आगणन में इंगित कार्य एवं मात्रा से अधिक कार्य किया जाय।

- v. स्वीकृत की जा रही धनराशि तथा व्यय धनराशि का लेखा जोखा रखा जायेगा। प्रशासनिक/बजट नियंत्रण अधिकारी द्वारा राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में बजट प्राविधान, अवमुक्त धनराशि तथा व्यय धनराशि का लेखा-जोखा रखा जाय एवं मासिक आधार पर इस का महालेखाकार से मिलान करते हुए मिलान की प्रमाणित विवरण वित्त अनुभाग-1 तथा बजट निदेशालय को प्रेषित किया जाय।
- vi. किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियमों, शासनादेशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक-2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-आयोजनागत-05-चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-पार्याप्त चिकित्सा पद्धति-04-मेडिकल कालेज -0401- श्रीनगर मेडिकल कालेज की स्थापना के अन्तर्गत मानक मद-42-अन्य व्यय के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि के नामे डाला जायेगा।

4- उक्त स्वीकृति की कम्प्यूटर आईडी0 संलग्न है।

संलग्न : यथोपरि

भवदीय,

(आर0के0 सुधांशु)
सचिव।

सं0- 761 /XXVIII(1)/2015- 01(बजट)/2012 एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड माजरा देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी, उत्तराखण्ड
3. जिलाधिकारी, पौड़ी, उत्तराखण्ड।
4. निदेशक कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. प्राचार्य, राजकीय मेडिकल कालेज श्रीनगर, पौड़ी गढ़वाल।
6. संबंधित वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(जी0एन0 पन्त)
अनु सचिव।